AUK Newsletter

कृषि विश्वविद्यालय कोटा समाचार पत्र

खण्ड 02 अंक 03 | Volume 02 No. 03

जुलाई–दिसम्बर, 2016 | July-December, 2016

कुलपति की कलम से...

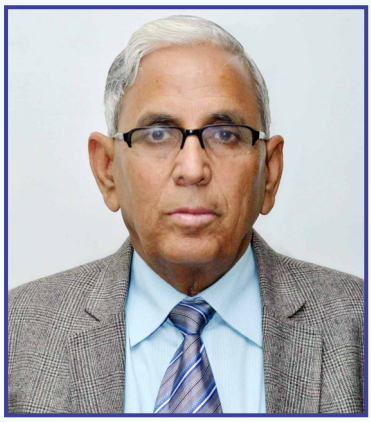

मुझे प्रसन्नता है कि कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का जुलाई से दिसम्बर 2016 का समाचार पत्र प्रकाशन के लिए तैयार है। वर्ष 2016–17 का शैक्षणिक सत्र शैक्षणिक केलेंडर के अनुसार सुचारू रूप से चल रहा है। महाविद्यालय में छात्रसंघ के चुनाव 24 अगस्त, 2016 को शांतिपूर्ण सम्पन्न हुए। इस समय की मुख्य उपलब्धियों में विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह दिनांक 25 सितम्बर, 2016 को आयोजित होना रहा जिसमें माननीय राज्यपाल, राजस्थान श्री कल्याण सिंह ने विद्यार्थियों को दीक्षा व उपाधियां प्रदान की। साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा नवम्बर 2016 से वर्ष 2020–21 तक पांच वर्ष के लिए विश्वविद्यालय को मान्यता प्रदान करना रही।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास एवं फल विज्ञान में विद्यावाचस्पति कार्यक्रम का प्रारम्भ करना तथा प्रबंध मंडल, अकादमिक परिषद, वरिष्ठ अधिकारी परिषद, अनुसंधान परिषद व प्रसार शिक्षा परिषद की बैठकें आयोजित करना, अन्य महत्यपूर्ण कार्यक्रम रहे हैं।

सभी राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को तीन प्रकार की जिम्मेदारियां–शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की है। इस विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा एवं अनुसंधान गतिविधियां सुचारू रूप से चल रहे है। हालांकि, विश्वविद्यालय में एक महाविद्यालय उद्यानिकी एवं वानिकी, झालावाड़ में है लेकिन विश्वविद्यालय में अन्य शैक्षणिक महाविद्यालय नही है। कृषि महाविद्यालय व अन्य शिक्षण संस्थानों की स्थापना निकट भविष्य में करने की आवश्यकता है। प्रौद्योगिकियों/तकनीकी के प्रसार और गुणवत्ता बीज उपलब्ध कराना। कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए महत्यपूर्ण आयाम है। मैं सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों से अपील करता हूँ कि सामूहिक रूप से प्रयास कर इस विश्वविद्यालय को आने वाले समय में नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सतत प्रयासरत् रहें।

Vice Chancellor's pen...

I am happy that the Agriculture University, Kota News letter volume 02 (03) covering the period from July to December, 2016 is ready for publication. The academic session 2016-17 has been going smoothly as per academic calendar. The major event was the successful conduction of 1st Convocation on 25th September, 2016. The important achievement of this peiod was accreditation of University and College of Horticulture and Forestry, Jhalawar by Indian Council of Agriculture Research, New Delhi for five years from 2016 to 2021.

The other important events start were laying foundation stone of University building, Ph.D. Programme in Fruit Science (Horticulture) meetings of BOM, Academic Council, SOC, Research Council and Extension Education Council have been conducted during this period by the University. All SAUs have been given three tire responsibilitis i.e. education, research and extension education. The extension education activities and research programme are going on well. However, the University has only one education centre i.e. College of Horticulture and Forestry at Jhalawar. The University is lacking other academic colleges & other Establishment of agriculture college and education institutes are required to be established in near future. I believe that dissemination of technologies and providing quality seed material will enhance productivity and profitability in agriculture and allied fields.I urge upon all the faculty, staff and students to work hard with great sprit to bring this Agriculture University to new heights in the time to come.

विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता :

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत स्व अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा गठित 5 सदस्यों के दल ने कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के प्रत्यायन के लिए दिनांक 25.07.2016 से 27.07.2016 तक भ्रमण किया। इस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. बी.एस. चुंडावत, भूतपूर्व कुलपति, सरदार कृषि नगर, कृषि विश्वविद्यालय, दांतीवाड़ा (गुजरात) थे। अन्य सदस्य डॉ. डी.के. डोरा अधिष्ठाता व डीआरआई कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उड़ीसा,

Accreditation of the University by ICAR, New Delhi:

On the basis of Self Study Report submitted by the University, the Indian Council of Agriculture Research, New Delhi constituted 5 members Peer Review Team visited university for Accreditation of the Agriculture University, Kota. The Peer Review Team of ICAR visited the University from 25.07.2016 to 27.07.2016. In chairmanship of Dr. B.S. Chundawat, former Vice-Chancellor of Sardarkrushinagar Dantiwada Agricultural

भुवनेश्वर, डॉ. आर.सी. खंडेलवाल भूतपूर्व आचार्य (उद्यानिकी) महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, डॉ.एच. पाटीदार, अधिष्ठाता उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर (मध्यप्रदेश), एवं डॉ. जी. वेंकटेश्वरलु सहायक महानिदेशक (शिक्षा, गुणवत्ता, आश्वासन एवं सुधार) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने तीन दिनों तक विश्वविद्यालय व उसकी विभिन्न इकाईयों जैसे उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़, कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि अनुसंधान केन्द्र एवं उपकेन्द्रों, विभिन्न परियोजनाओं, प्रयोगशालाओं, छात्रावास, क्रीड़ा प्रांगणों आदि का अवलोकन कर रिपोर्ट भारतीय कृषि अनुसंधान परिशद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा बोर्ड को प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय में हो रहे विभिन्न कार्यों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अनुरूप मानते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने 18 नवम्बर 2016 को वर्ष 2020–21 तक पांच वर्ष के लिए कृषि विश्वविद्यालय, कोटा एवं उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ को मान्यता प्रदान कर दी गई जो विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धी है।

University along with 4 members including Dr. D.K. Dora, Dean, PGF-Cum-DRI, Bhubaneswar, Dr. R.C. Khandelwal, Ex. Prof. (Horticulture) Maharana Pratap University of Agriculture & Technology (MPUA&T), Udaipur, Dr. H. Patidar, Dean, College of Horticulture, Mandsore (MP) and Dr. G. Venkateshwaralu, ADG (Education Quality Assurance and Reforms) ICAR, New Delhi during their three days visit conducted inspection of Research Stations, Krishi Vigyan Kendras, College of Horticulture & Forestry, Jhalawar, research projects, scientific laboratories, hostels, sports facilities and submitted the reports to ICAR, New Delhi. On the basis of this report, the National Agricultural Education Accreditation Board of ICAR accredited to Agriculture University, Kota and College of Horticulture & Forestry, Jhalawar for 5 years w.e.f. 18.11.2016 to 2020-21.

कृषि विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह :

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का प्रथम दीक्षांत समारोह 25 सितंबर, 2016 को यु.आई.टी. ऑडिटोरियम, कोटा में सम्पन्न हुआ। माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह जी, समारोह के अध्यक्ष थे। समारोह में कुलाधिपति ने सामुहिक रूप से उद्यानिकी एवं वानिकी व कृषि संकाय में स्नातकोत्तर व स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले 178 विधार्थियों को दीक्षा दी इसमें स्नातकोत्तर के 14 विधार्थियो को उपाधियां तथा स्नातक, स्नातकोतर के 05 विधार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये। दीक्षान्त समारोह के अतिथि भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद, नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. एन.एस. राठौड़ थे। माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने अपने भाषण में कहा है कि शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण है। उन्होंने सभी विधार्थियों से आह्वान किया कि इस शिक्षा को वे जन–जन तक पहुंचाऐं।

डॉ. एन. एस. राठौड, उपमहानिदेशक, भारतीय कृषि अनुंसधान परिषद, नई दिल्ली ने अपने सम्बोधन में कहा कि कृषि के वैश्वीकरण में प्रसंस्कृत खाध पदार्थों की मांग कई गुना बढी है। इसलिए उत्पादन का मूल्य संवर्धन कर किसानों और कृषि उधोगपतियों को इसका पूरा लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय एक दृष्टि में, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा एक दुष्टि में व प्रसार

First Convocation of the University :

Agriculture University, Kota organized its first convocation on September 25, 2016. The Hon'ble Governor of Rajasthan and Chancellor of Universities Sh. Kalyan Singhji was the chief guest of convocation and awarded degree to 164 bachelors, 14 Masters including 5 gold medals for the session 2014-15 and 2015-16 in the faculty of horticulture, forestry and agriculture. Dr. N.S. Rathor, Dy. Director General (Agri. Edn.), ICAR, New Delhi was the guest of convocation function.

In his speech, Hon'ble Governor and Chancellor said that the development of the nation Charitra Nirman through education is necessary for all the students. He called the students to reach the education to everybody. The Hon'ble Chancellor released the three booklets namely Agriculture University, Kota-At a Glance, Agricultural Research Station, Kota - At a glance and Extension Achievements - At a Glance.

Dr. N.S. Rather, DDG (Agri. Edn.), ICAR New Delhi in his convocation address, emphasized that the globalization of Agriculture has increased the prospects for processed food

उपलब्धियां एक दृष्टि में नामक बुलेटिनों का विमोचन माननीय राज्यपाल द्वारा किया गया।

प्रशासनिक भवन का शिलान्यास : कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास, माननीय श्री कल्याण सिंह जी राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा दिनांक 25 सितंबर, 2016 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बोरखेड़ा फार्म, बाराँ रोड़, कोटा पर किया गया। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति डॉ. जी.एल. केशवा एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. एन.एस. राठौड़ उपस्थित थे। राज्य सरकार से इस भवन के लिए वर्ष 2016–17 में 3.46 करोड़ रूपये का बजट आवंटित किया है। इस प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

कृषि विश्वविद्यालय का तृतीय स्थापना दिवस :

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का तृतीय स्थापना दिवस 23 सितम्बर, 2016 को मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति माननीय डॉ. जेड.एस. सौलंकी इस समारोह के मुख्य अतिथि तथा डॉ. पी.के. दशोरा, कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा विशिष्ठ अतिथि थे। डॉ. जितेन्द्र कुमार प्रबंध मंडल सदस्य एवं निदेशक औषधीय एवं सुगंधित पौध अनुसंधान निदेशालय बोरीयवी, आनन्द (गुजरात) ने इस अवसर पर विभिन्न औषधीय पौधों, उपयोग एवं लाभ के बारे में एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।

विश्वविद्यालय के स्थापना समारोह में प्रबंध मंडल, शैक्षणिक परिषद के सदस्य और कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के सभी अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए। डॉ. सौलंकी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि किसानों व उद्योगपतियों की आमदनी बढाने हेतु हाड़ोती में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना की विपुल संभावनाऐं है।

प्रबंध मंडल की बैठक :

प्रबंध मंडल की तृतीय बैठक 23 सितम्बर, 2016 को बुलाई गई। जिसमें अकादमिक परिषद की छठी बैठक दिनांक 23 सितम्बर, 2016 में लिये गये निर्णयों का अनुमोदन किया गया। इस बैठक में 25 सितम्बर, 2016 को होने वाले विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह के लिए स्नातक व स्नातकोत्तर डिग्री व स्वर्णपदक प्रारूपों

commodities. Farmers and Agri.-Preneurs must make full use of this opportunity.

Foundation of Administration Building :

Laying of Foundation of administrative building of Agriculture University, Kota was laid on September 25, 2016 by Hon'ble Governor of Rajasthan Sh. Kalyan Singhji at Krishi Vigyan Kendra Borkhera Farm, Baran Road, Kota. Dr. G.L. Keshwa, the Vice Chancellor of AU, Kota and Dr. N.S. Rathor, DDG (Agri. Edn.), ICAR New Delhi were also present. The State Govt. Provited Rs. 3.46 Caror in 2016-17 for this work.

Foundation day of Agriculture University, Kota:

Third foundation day of Agriculture University, Kota was celebrated on September 23, 2016 The Vice Chancellor inaugurated the third birth anniversary celebration of AU, Kota. The founder Vice Chancellor of AU, Kota, Dr. Z.S. Solanki was the chief guest of the function. Dr. P.K. Dashora, Vice-Chancellor of Kota University, Kota was the Special guest. Dr. Jitendra Kumar Director of Medicinal and Aromatic Plants Research Directorate Boriyvi, Anand (Gujarat) and Member of Board of Management delivered important lecture on use and Advantage of Medicinal and Aromatic Plants.

The Members of BOM, Academic Council and all staff of AU, Kota graced the function. In his speech, Dr. Solanki said that hadoti has great opportunity to establish food processing units in the state for enhance the farmers and industrialists income.

Meeting of Board of Management :

The third meeting of Board of Management (BOM) was held in the Chairmanship of Prof. G.L. Keshwa, Hon'ble Vice Chancellor, AU, Kota on September 23, 2016. Sh. Heeralal Nagar MLA Sangod, Tarachand Goyal industrialist, Smt. Aruna Meena, Social Worker and Sh. M.S. Acharya Agriculture Scientist were present. In this meeting grace for awarding degrees and gold medals in the First convocation held on September 25, 2016 was passed. The decisions taken in the

सत्र 2014–15 व 2015–16 में डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं कार्यक्रमों के लिए अनुग्रह पारित किया गया।

शैक्षणिक परिषद की बैठक

:छठी शैक्षणिक परिषद, की बैठक 23 सितम्बर 2016 को माननीय कुलपति प्रो. जी.एल.केशवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें शिक्षकों की भर्ती के लिए योग्यता व स्कोर कार्ड, दीक्षांत समारोह की ड्रेस कोड, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री व स्वर्ण पदक प्रारूपों का सत्र 2014–15 एवं 2015–16 के लिए 25 सितंबर 2016 को होने वाले कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के प्रथम दीक्षांत समरोह के लिए अनुमोदन किया।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति की बैठक

कृषि अनुसंधान केंद्र, उम्मेदगंज कोटा पर डॉ. एच. आर. चौधरी, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान की अध्यक्षता में क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति–रबी की बैठक दिनांक 28–29 सितम्बर, 2016 को हुई जिसमें विभिन्न फसलों के लिए 16 सिफारिशें का अनुमोदन किया। इसमें रबी मे किये गये अनुसंधान कार्य की कृषि विभाग के अधिकारियों व प्रगतिशील किसानों के साथ मूल्यांकन किया गया व आगामी रबी की कार्ययोजना बनाई गई।

अनुसंधान परिषद की बैठक :

कृषि अनुसंधान केंद्र, उम्मेदगंज कोटा पर दिनांक 18 जुलाई 2016 को डॉ. जी.एल. केशवा, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में अनुसंधान परिषद की प्रथम बैठक आयोजित हुई। बैठक के अतिथि स्वामी केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.आई.जे. गुलाटी एवं आईसीएआर–भू व जल संरक्षण संस्थान, कोटा के निदेशक, डॉ आर.के. सिंह थे। बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने अनुसंधान कार्ययोजना प्रस्तुत की। इसमें विश्वविद्यालय में किये जा रहे अनुसंधान कार्य का मूल्यांकन व समीक्षा की गई व आगामी कार्ययोजना बनाई गई।

प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक :

प्रथम प्रसार शिक्षा परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 18 जुलाई 2016 को माननीय कुलपति, डॉ. जी.एल. केशवा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। जिसमें निदेशक प्रसार शिक्षा ने आगामी वार्षिक कार्ययोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. आर.एन. गौस्वामी, बीकानेर एवं डॉ. आई. जे. माथुर, उदयपुर को विशेश रूप से आमंत्रित किया गया।

कृषि वैज्ञानिक संवाद :

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा वैज्ञानिक संवाद–उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) के साथ माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में ''कृषि शिक्षा के परिदृश्य में परिवर्तन'' विषय पर दिनांक 25 सितंबर, 2016 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज,

meeting of acadmic council held on September 23, 2016 were also approved.

Meeting of Academic Council

The 6th meeting of academic council was held on September 23, 2016 in the chairmanship of Vice Chancellor, Dr. G.L. Keshwa AU, Kota. Various decisions regarding qualifications, score card for recruitment of teachers etc. were taken. The dress code to be followed in convocation was also approved. The UG and PG degree and gold medals to stundets to be award in the first convocation on September 25, 2016 were approved.

ZREAC Meeting :

ZREAC meeting for session of ***rabi*** 2015-16 was held on September 28-29, 2016 at Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota in the chairmanship of Dr. H.R. Chaudhary Zonal Director Research. The 16 recommendations to be given to the farmers were approved. Evaluation of ***rabi*** research work was done in presence of officers of department of Agriculture and progressive farmers. The next ***rabi*** programme was also finalized.

Meeting of Research Council :

The first Meeting of Research Council was held on July 18, 2016 in the chairmanship of Hon'bnle Vice Chancellor at Agriculture Research Station; Ummedganj, Kota The Guests of the meeting were Dr. I.J. Gulathi, Dean, Agriculture, College Swami Keshwanand Agricultural University, Bikaner and Dr. R.K,. Singh Direcrtor, Central Soil and Water Conservation Research & Training Institute, Dadwara, Kota. In the meeting, Dr. Pratap Singh, Director Research presented the research work, being done at the University. Evaluation and review of the research work and future action plan.were also discussed.

Meeting of Extension Education Council :

The first meeting of extension education Council was held on July 18, 2016 in the chairmanship of Vice, Chancellor, Dr. G.L. Keshwa. The Director Extension Education presented the upcoming annual work plan of the Directorate in the meeting, Former Director, Extension Education. Dr. R.N. Gauswami, SKRAU, Bikaner and Dr. I.J. Mathur, MPUAT, Udaipur were specially invited in the meeting.

Scientist - DDG (Agri. Edn) Interface :

Agriculture University, Kota organized scientists - DDG (Agri. Edn) Interface on “changing scenario of agriculture education” at Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota on September 25, 2016 in the chairmanship of Prof. G.L. Keshwa

कोटा पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अनुसंधान वैज्ञानिक व विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे। डॉ. एन. एस. राठौड़, उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कृषि शिक्षा के महत्व का वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए जनसंख्या की वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप काम करने के लिए सभी वैज्ञानिकों का आह्वान किया। डॉ. बी.एल. छीपा माननीय कुलपति स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थे।

Hon'ble Vice Chancellor AU, Kota. On this occasion, Scientists of teaching, research and extension of University were present. Dr. N.S. Rathor DDG, (Agri. Edn.) ICAR, New Delhi highlighted the importance of Agriculture education in the present global scenario and called all the scientists to work according to present need of population. Dr. B.L. Chhipa, Hon'ble Vice Chancellor SKRAU, Bikaner was the special guest of this occasion.

माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री का दौरा :

माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री डॉ. प्रभुलाल सैनी ने दिनांक 05 अक्टुबर 2016 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का दौरा किया। माननीय कुलपति डॉ. जी.एल. केशवा, ने मंत्रीजी का स्वागत किया। माननीय मंत्री ने किसानों की आय में बढ़ोतरी के लिए उद्यानिकी फसलों, फुलों व औषधि पौधों की खेती से संबंधित शोध कार्य पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इनके साथ आये जन प्रतिनिधियों श्री ओमबिरला, सांसद, कोटा–बूंदी व श्री हीरालाल नागर, विधायक, सांगोद ने भी कृषि विश्वविद्यालय, कोटा में मुख्यालय पर कृषि महाविद्यालय की आवश्यकता से कृषि एवं पशुपालन मंत्री को अवगत कराया।

Visit of Hon'ble Minister of Agriculture and Animal Husbandry :

The Hon'ble Minister of Agriculture and Animal Husbandry, Dr. Prabhulal Seni visited the Agriculture University, Kota on Oct 5, 2016. He was welcomed by Dr. G.L. Keshwa Hon'ble Vice Chancellor Agriculture University, Kota. Hon'ble Minister in his address focused on research work related to floriculture and value addition to increase the farmer's income. The eminent dignitaries who visited the Agriculture University, Kota were Sh. Om Birla, MP of Kota & Bundi and Sh. Heeralal Nagar, MLA, Sangod.

वरिष्ठ अधिकारी परिषद (SOC) की बैठक :

वरिष्ठ अधिकारी परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 20.12.2016 को माननीय कुलपति महोदय प्रो. जी. एल. केशवा की अध्यक्षता में कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा में आयोजित की गई। इस बैठक में शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार शिक्षा की गतिविधियों को बढावा देने के लिए के कई निर्णय लिये गये जिनमें प्रमुख फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, मानव संसाधनों का समुचित उपयोग, विश्वविद्यालय के राजस्व में वृद्धि के उपाय, ऋषि पराशर शोध पीठ को बजट आवंटन, उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती को बढावा देना, समय पर बजट उपयोगिता प्रमाण पत्र तैयार करना, डिजीटल लेनदेन को अपनाना, गोद लिये स्मार्ट गांवों में कम लागत तकनीकी के कार्यों को बढावा देना व जैविक खेती के उत्कृष्ठता केन्द्र के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजना इत्यादि प्रमुख थे।

Meeting of Senior Officer Council (SOC) :

The first meeting of senior officer council was held on 20.12.2016 at Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota in the chairmanship of Prof. G.L. Keshwa, Hon'ble Vice-Chancellor. Many decisions were taken about improvement of Education, Research and Extension activities and to enhance the productivity of major crops for revenue generation. Proper utilization of human resources to meet out the shortage of staff, budget allocation for ***Parashar Shodh Peeth*** digital transaction, timely preparation of AUC of different units, low cost technology work in adopted smart village, proposal for centre of excellent on organic farming and future plan work strategy of the University were discussed in this meeting.

World Soil Health Day :

मृदा स्वास्थ्य दिवस :

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर दिनांक 05.12.2016 को क्षैत्रीय निदेशक अनुसंधान की अध्यक्षता में मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मृदा को स्वस्थ रखने सम्बंधी जानकारी कृषकों को दी गई। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की अन्य इकाईयों पर भी आयोजित किया गया।

कृषि पंचांग का विमोचन :

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि पंचांग–2017 की 10000 प्रतियां प्रकाशित की जिसमें प्रत्येक माह में होने वाले प्रमुख कृषि उद्यानिकी पशुपालन एवं डेयरी के बारे में जानकारी प्रदान होती है। माननीय कुलपति कृशि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा दिनांक 31 दिसम्बर 2016 को इस कृशि पंचांग का विमोचन किया। इस पंचांग से कृशकों को खेती की पूर्ण जानकारी मिलेगी।

- स्वच्छ भारत पखवाड़ा :

  01 से 15 अगस्त, 2016 तक स्वच्छ भारत पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना के 149 स्वयंसेवको ने भाग लिया। स्वयंसेवको ने रेली निकाली एवं महाविद्यालय परिसर तथा आसपास के परिसर की साफ सफाई की।

- बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ :

  19 नवंबर, 2016 को बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत एक व्याख्यानशाला आयोजित की गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्वयं सेवकों ने भी सहभागिता की एवं अपने विचार साझा किए।

वैष्विक राजस्थान एग्रीटेक मीट में प्रदर्शनी :

जयपुर में दिनांक 09 से 11 नवंबर 2016 तक आयोजित हुई वैश्विक राजस्थान एग्रीटेक मीट में कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद प्रदर्शित करने के साथ–साथ प्रदर्शनी में नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में 20–25 हजार किसानों और कृषक महिलाओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन से संबंधित नवीनतम जानकारी प्राप्त की।

मसूर की किस्म कोटा –1 चिन्हित की गयी :

मुलार्प परियोजना के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर मसूर की नई किस्म कोटा मसूर–1 को आइसीएआर– आईआईपीआर, कानपुर में रबी मुलार्प समुह की बैठक वर्ष 2016 में चिन्हित किया गया। मसूर की यह किस्म जल्दी पकाव एवं मध्य भारत के वर्शा आधारित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। जिसका दाना मोटा व 100 दाने का वजन 2.73 ग्राम होता है। यह किस्म 100–106 दिन की अवधि में पककर 14–16 क्विं./है0 दाना उपज देती है। यह किस्म चैंपा कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं उक्ठा रोग के प्रति सहनशील पायी गई है।

नवाचार : क्विनोआ (चिनोपोडियम क्विनोआ) :

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान समेकित कृषि प्रणाली

World Soil health Day was organised On 5th December, 2016 at Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota in the chairmanship of Zonal Director Research and delivered lectures to farmers on the topic “how to maintain the Soil health” for sustainable productivity. This programme was also organized on other units of the University.

Krishi Panchang 2017 :

The redemption of ***Krishi Panchang-2017*** of the University was done on 31.12.2016 during the monthly meeting of agricultural science centers by Prof. G.L. Keshava, Hon'ble Vice Chancellor Agriculture University, Kota. Dr. A.K. Singh Manager, A.D.L., Chambal Fertilisers and Chemicals, Kota and all the Directors of University were present at this time. This panchang provides complete Agriculture information including Horticulture, animal husbandry and dairy etc. to the farmers.

- ***Swachh Bharat Pakhawada:***

  Swachh Bharat Pakhawada was organized from 1st to 15th August, 2016 by 149 NSS volunteers. The volunteers participated in cleanliness campaign in and around college campus.

- ***Beti BachaoBeti Padhao :***

  Beti BachaoBeti Padhao Programme organized was on 19th November, 2016 In this programme. Advocate Prabhulal Arwal, District Coordination PCPNDT delivered a lecture on ***Beti Bachao - Beti Padao*** programme. Volunteers of NSS also actively participated and shared their opinion in the programme.

Exhibition Global Rajasthan in Agritech Meet :

Global Rajasthan Agritech Meet (GRAM) was organized from 09 to 11, November, 2016 at Jaipur in which Agriculture University, Kota displayed, the latest Agriculture Technology along with value added food products. During three days 20-30 thousand farmers and farm women visited the exhibition stall.

Identification of Kota Masoor Variety Lentil-I

It was developed under AICRP on MULLaRP at Agricultural Research Station, Ummedganj, Kota and identified during ***rabi*** group meet at ICAR-IIPR, Kanpur during 2016. It is an extra early variety suitable for rainfed situations of central zone in India. It has light green foliage and 35-45 cm plant height. Bold seeds having 2.73 g/100 seed weight. It matures in 100-106 days and produces 14-16 q/ha grain yield. It is moderately resistant to aphids and tolerant to wilt.

Innovations:

Quinoa : (Chenopodium quinoa)

Initial research work on Quinoa was started during **rabi** 2016-17 at Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota under

परियोजना के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र उम्मेदगंज, कोटा पर क्विनोआ पर रबी 2016–17 में अनुसंधान परीक्षण के लिए कार्य प्रारम्भ किया गया है। इस फसल को विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों पर भी लगया गया।

मक्खन घास (लोलियम पेरेनी) :

यह एक उच्च पोषण युक्त बहु कटिंग वाली सर्दी मौसम की वार्षिक घास है। इसकी प्रथम कटिंग बुवाई के बाद 50–60 दिनों के बाद की जाती है। अन्य 3–4 कटिंग वृद्धि के आधार पर 25– 30 दिनों के अंतराल पर की जाती है। औसतन प्रति हैक्टेयर 800–850 क्विं. हरा चारा प्राप्त होता है। यह दूध उत्पादन में वृद्धि करता है तथ कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर अनुसंधान परीक्षणों के परिणाम की सिफारिश के आधार पर यह क्षेत्र के 10 प्रतिशत किसान अपने यहां उगाकर आय में बढोतरी कर रहे हैं।

सेवानिवृत्ति :

- डॉ. वी. पी. गुप्ता, प्रोफेसर (पौध व्याधि), कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा, सेवानिवृत दिनांक 31 अगस्त 2016
- डॉ. एस. के. त्रिवेदी, प्रोफेसर (उद्यानिकी) और निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, सेवानिवृत दिनांक 31 अगस्त 2016
- श्री किशन सिंह, क्लास–IV, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा, सेवानिवृत दिनांक 31 अगस्त 2016
- श्री एम. एल. कुमावत, एएओ, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा, सेवानिवृत दिनांक 31 अगस्त 2016
- श्री ए.बी. शर्मा, ड्राईवर, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर, सेवानिवृत दिनांक 30 सितम्बर 2016
- श्री राम प्रसाद क्लास–IV, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा, सेवानिवृत दिनांक 30 अक्टुबर 2016
- श्री महेन्द्र शर्मा, कनिष्ठ लिपिक कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा, सेवानिवृत दिनांक 31 दिसम्बर, 2016

पदभार ग्रहण :

- श्री बृजेश कुमार शर्मा ने सहायक लेखाधिकारी–प्रथम के पद पर 15 अक्टुबर, 2016 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा में कार्यग्रहण किया।
- श्रीमती विधी शर्मा ने वित्त नियंत्रक के पद पर 19 अक्टुबर, 2016 को कृषि विश्वविद्यालय, कोटा में कार्यग्रहण किया।

विशिष्ट व्यक्तियों का भ्रमण :

- श्री तन्मय कुमार (आई.ए.एस.) सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय राजस्थान सरकार ने दिनांक 15 जून 2016 को उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ का भ्रमण किया।
- श्री भारत तिमानी, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा श्री डी.एन. पांडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान, सरकार जयपुर ने महाविद्यालय में 17.10.2016 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर वानिकी डिग्री पाठ्यक्रम की समीक्षा हेतु वस्तु विशेशज्ञ के रूप में भाग लिया।
- श्री डी.पी. शर्मा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशिक्षण), राजस्थान, ने महाविद्यालय में दिस. 06–07, 2016 को वन एवं वन्य जीव चेतना कार्यक्रम में भाग लेने हेतु भ्रमण किया।

AICRP on integrated farming system project. This crop was also planted at all the units of University for demonstration.

Makkhan Grass : *(Lolium perenne)*

It is a high nutrition-rich multi cut annual ***rabi*** season grass. The first cutting is done 50-60 days after sowing, Other 3-4 cuttings are done at an interval of 25-30 days depending on the growth. It gives fodder yield of 800-850 q./ha. It increases milk production.

On the basis of the research conducted at Agriculture Research Station, Ummedganj, Kota, it enhances about 10 percent milk production and increases farmers income.

Retirement :

- Dr. V.P. Gupta, Professor (Plant Patholog) ARS, Kota retired on Aug 31, 2016.
- Dr. S.K. Trivedi, Professor (Horticulture) and Director Education, Agriculture University, Kota retired on Aug 31, 2016
- Sh. Kishan Singh, Peon, ARS, Kota retired on Aug 31, 2016
- Sh. M.L. Kumawat, AAO, ARS, Kota retired on Aug 31, 2016
- Sh. A.B. Sharma, Driver, KVK, Sawaimadhopur, retired on Sept 30, 2016
- Sh. Ram Prasad Peon, ARS, Kota retired on Oct 31, 2016
- Sh. Mahendra Sharma, LDC, Krishi Vigyan Kendra, Kota retired on December 31, 2016

Joining :

- Sh. Brijesh Kumar Sharma joined as Assistant Accounting Officer on October 15, 2016 in Agricultural University, Kota.
- Dr. Mrs. Vidhi Sharma joined as Comptroller on October 19, 2016 in Agricultural University, Kota.

Visit of distinguished persons :

- Sh. Tanmay Kumary (I.A.S.), Secretary, Hon'ble Chief Minister, Govt. of Rajasthan visited at college of Horticulture & Forestry, Jhalawar on 15.06.2016
- Sh. Bharat Timani, Addl. PCCF and Sh. D. N. Pandey, PCCF, Government of Rajasthan, Jaipur as a specialist for revision of UG & PG courses in Forestry degree programme at college on 17.10.2016.
- Sh. D.P. Sharma, PCCF (Training), Government of Rajasthan, Jaipur visited the college during 06-07 December, 2016 in connection with Forest & Wildlife Awareness Programme.

Award & Honour :

पुरस्कार एवं सम्मान :

- **माननीय कुलपति सम्मानित :** इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोनोमी व भारतीय कृशि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22–26 नवम्बर 2016 को आयोजित अंतर्राश्ट्रीय एग्रोनोमी कांग्रेस में कुलपति डॉ. जी.एल. केशवा को कृशि शिक्षा व अनुसंधान में किए गये उत्कृश्ठ कार्यों के लिए अंतर्राश्ट्रीय कृशि वैज्ञानिक व भारतीय कृशि अनुसंधान परिशद, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन द्वारा सम्मानित किया गया।

- डॉ आई.बी. मौर्य, प्राध्यापक को राष्ट्रीय समता स्वतंत्रता मंच जयपुर द्वारा प्रदत्त शिक्षक श्री सम्मान से सम्मनित किया गया।
- डॉ जितेंद्र सिंह, प्राध्यापक को षि अनुसंधान एवं संचार केंद्र, करनाल, हरियाणा द्वारा प्रदत्त समीक्षक उत्ष्टता सम्मान से सम्मनित किया गया।
- डॉ नवाब सिंह, सहायक प्राध्यापक कल्यानी, नडिया, पश्चिम बंगाल में आयोजित शीतकालीन विद्यालय मे उत्कृष्ट सहभागिता में योग्यता पुरुस्कार प्रदान किया गया।

विदेश यात्रा :

1. डॉ. बलदेव राम (दलहन वैज्ञानिक), भारतीय दलहन वैज्ञानिकों के प्रतिनिधिमण्डल के सदस्य के रूप में दालों के उत्पादन की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 22 से 26 जून, 2016 को म्यांमार देश का दौरा किया।
2. डॉ. जे. पी. तेतरवाल (समेकित कृशि प्रणाली वैज्ञानिक) ने "कृशि प्रणाली विश्लेशण कार्यशाला" दक्षिणी एशिया में मात्रात्मक उपकरणों द्वारा भविश्य में कृशि प्रणाली के विकल्पों का पता लगाने के लिए जुलाई 04 से 07, 2016 को द नीदरलैण्ड़ के वागेनेगन विश्वविद्यालय की कार्यशाला में भाग लिया।

Hon'ble Vice Chancellor honoured:

- Indian Society of Agronomy and the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, organized International Congress of Agronomy dated 22 to 26 November 2016. Dr. G.L. Keshava, Vice Chancellor was honoured. The honour was conferred by global scientist and former DG, Indian Council of Agricultural research, New Delhi, Dr. M.S. Swaminathan.
- Dr. I.B. Maurya, Professor awarded Shikshak Shree Samman by Rastriya Samta Savtantrata Manch, Jaipur.
- Dr. Jitendra Singh, Professor awarded Reveiwer Excellence Awards (2016) by Agriculture Research and Communication Centre, Karnal, Haryana.
- Dr. Navab Singh, Asstt. Prof. awarded Merit Certificate for Outstanding participant in summer school held at BCKVV, Kalyani, Nadia, West Bangal.

Abroad visit :

- Dr. Baldev Ram (Pulses Scientist) visited Myanmar as a member of Indian Pulses Scientists Delegation for exploring possibilities of pulses production in Myanmar from 22-26 June, 2016.
- Dr. J. P. Tetarwal (Integrated Farming System Scientist) attended workshop on "Farming Systems Analysis: Quantitative tools to explore future farming systems options and formalize trade-offs and synergies for their sustainable intensification in South Asia" under CCAFS flagship project of CIMMYT at Wageningen University, The Netherlands during July 4-7, 2016.

Patron
Prof. G.L. Keshwa
Vice-Chancellor

Editorial Board
Dr. Rajkumar — Director, PM&E
Dr. M. K. Poonia — Asstt. Prof. (Horti.)
Dr. Baldev Ram — Asstt. Prof. (Agronomy)

Agriculture University, Borkhera, Baran Road, Kota-324 001, Rajasthan
Ph. 0744-2321204 (O); 0744-2321203 (F) Website : http://aukota.org

To _____

Book-Post

Published by Directorate of Prioritization, Monitoring & Evaluation, Agriculture University, Kota-324 001, Rajasthan